Padma Bhushan



Dr. Vijay Bhatkar

Dr. Vijay Bhatkar is one of most acclaimed and internationally acknowledged scientists of India. He is best known as the architect of India's national initiative in supercomputing, where he led the development of India's first supercomputer Param in 1990, under the technology denial regime.

2. Born on October 11, 1946, Dr. Bhatkar did his Ph.D. in Engineering from IIT Delhi in 1972. He is widely known for bringing ICT to the masses through a wide range of path-breaking initiatives, such as the celebrated GIST multilingual technology covering India's 22 official languages with 10 diverse scripts that has dissolved the language barrier on computers once for all; MKCL's computer literacy programme that made a world mark by creating 9 million computer literates within a decade; Education to Home (ETH) initiative for bringing the benefits of ICT to school education. In the 80's, Dr Bhatkar substantially contributed to the ushering of electronics revolution in India. He is also credited with the creation of several national research labs and institutions, notably amongst them being C-DAC, ER&DC Trivandrum, IIITM-K, Techno Park, MKCL, IsquareIT, ETH Research Lab and Multiversity. Simultaneously, he has mentored several innovation-based start-ups.

3. Dr. Bhatkar has served as a member of the Scientific Advisory Committee to PM, Member of the Governing Council of CSIR and a member of the IT Task Force constituted by PM in 1998. He is a Fellow of IEEE (USA) and Fellow of ACM (USA), besides being Fellow of CSI, INAE, IETE, NASI, MASc and GES. He has served as the Chairman of e-Governance Committees of Maharashtra and Goa. Dr. Bhatkar has authored/edited over 12 books and 80 technical and research papers and addressed several university convocations, international and national conferences and conventions and public functions. His groundbreaking articulations have been widely covered by both print and broadcast media. His current research interests are in supercomputing, artificial intelligence, brain-mind-consciousness, and synthesis of science and spirituality.

3. Dr. Vijay Bhatkar is presently the Chairman of Board of Governors of NT-Delhi, Chairman of ETH Research Lab, Founder Chancellor and Chief Mentor of Multiversity, Chancellor of D. Y. Patil University and National President of Vijnana Bharati. He has been conferred Honorary D.Sc. (Honoris Causa) by Dr. D.Y. Patil University, Ph.D. by Gujarat Technological University and D.Litt. by Nagpur University. Presently he is leading the Unnat Bharat Abhiyan, India's national initiative of connecting HTs and other leading academic institutions to villages of India.

4. Dr. Bhatkar is the recipient of several honours and awards including Padma shri in 2000; Maharashtra Bhushan Award of 1999-2000; Jindal Prize 2012 for science and technology in the service of society; Saint Jnaneshawar World Peace Prize 2010 by World Peace Centre; Dataquest Lifetime Achievement Award 2003; Adi Godrej Award 2010; C-DAC Oration Award 2006; KG Foundation's Personality of the Decade Award 2004; PGCIL Award 2001; Om Prakash Bhasin Foundation Award 2000; Global e-Biz Award 2001; FICCI Award 1999 for Excellence in Engineering & Technology; Lokmanya Tilak Award 1999; Rotary Excellence Award 1997; Pune's Pride Award 1996; H.K. Firodia Award 1996-97 for Life-Time Achievements in Science & Technology; Distinguished Alumni Award 1994 of IIT Delhi; VASVIK Award 1993 and Electronics Man of the Year Award 1992 and many more. He was also nominated to the Petersberg Prize 2004.

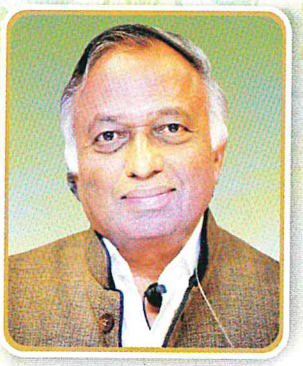

डॉ. विजय भटकर

डॉ. विजय भटकर, भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के मान्यता प्राप्त वैज्ञानिकों में से हैं। आपको सुपरकम्प्यूटिंग में भारत की राष्ट्रीय पहल के रचनाकार के रूप में बेहतर जाना जाता है जहां आपने टेक्नॉलॉजी डेनियल रिजाइम के तहत वर्ष, 1990 में भारत के पहले सुपरकम्प्यूटर परम को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाई।

2. आपका जन्म अक्तूबर 11, 1946 को हुआ। आपने आई.आई.टी. दिल्ली से वर्ष, 1972 में इंजीनियरिंग में पीएच.डी. की। व्यापक आधार पर नई पहलों के माध्यम से आई.सी.टी. को जनसमूह तक लाने के लिए आपको व्यापक रूप से जाना जाता है जिसमें नामी जी.आई.एस.टी. बहु-भाषी जैसी प्रौद्योगिकी शामिल है जिसमें 10 अलग-अलग लिपियों वाली भारत की 22 राजभाषाओं को लिया गया जिससे कम्प्यूटरों पर भाषाई बैरियर हमेशा के लिए समाप्त हो गया; एम.के.सी.एल. का कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम जिसने एक दशक के भीतर 9 मिलियन लोगों को कम्प्यूटर में शिक्षित कर संसार में अमिट छाप छोड़ी है; स्कूली शिक्षा में आई.सी.टी. के लाभ प्रदान कर एजुकेशन टु होम (ई.टी.एच.) पहल शामिल है। अस्सी के दशक में आपने भारत में इलैक्ट्रॉनिक क्रांति लाने में काफी योगदान किया। आपको कई राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं और संस्थानों का सृजन करने का भी श्रेय जाता है जिनमें सी-डेक, ई.आर एंड डी.सी. त्रिवेंद्रम, आई.आई.आई.टी.एम-के, टैक्नोपार्क, एम.के.सी.एल, स्क्वॉयर आई.टी., ई.टी.एच. रिसर्च लैब और मल्टीवर्सिटी प्रमुख हैं। इसके साथ ही आपने नवोन्मेष पर आधारित कई नए संस्थानों को परामर्श भी दिया है।

3. आपने प्रधानमंत्री की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, सी.एस.आई.आर. की शासी परिषद के सदस्य और वर्ष, 1998 में प्रधानमंत्री द्वारा गठित आई.टी. कार्य बल के सदस्य के रूप में कार्य किया। आप सी.एस.आई., आई.एन.ए.ई., आई.ई.टी.ई., एन.ए.एस.आई., एम.ए.एस.सी. और जी.ई.एस. के फैलो के अलावा आई.ई.ई.ई. (यू.एस.ए.) के फैलो और ए.सी.एम. (यू.एस.ए.) के फैलो हैं। आपने महाराष्ट्र और गोवा की ई-गवर्नेंस समितियों के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। आपने 12 से अधिक पुस्तकें लिखीं/संपादित कीं और 80 तकनीकी और अनुसंधान दस्तावेज लिखे/का सम्पादन किया और कई विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों, अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों और अभिसमयों तथा सार्वजनिक समारोहों को संबोधित किया। आपकी इन नवोन्मेषी पहलों को प्रिंट और प्रसारण मीडिया दोनों में व्यापक रूप से कवर किया गया। इस समय आपकी रूचि सुपरकम्प्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्रेन-माइंड-कांश्यिसनेस पर अनुसंधान करने और विज्ञान और आध्यामिकता का विश्लेषण करने पर है।

4. इस समय आप राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के बोर्ड ऑव गवर्नर्स के अध्यक्ष, ई.टी.एच. रिसर्च लैब के अध्यक्ष, मल्टीवर्सिटी के संस्थापक कुलाधिपति और मुख्य संरक्षक, डी.वाई पाटिल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और विज्ञान भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। डॉ. डी.वाई.पाटिल विश्वविद्यालय द्वारा आपको मानद डी.एससी. (ऑनरिस कौसा), गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. और नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा डी.लिट की उपाधि प्रदान की गई। इस समय आप एचटी और अन्य प्रमुख शिक्षण संस्थानों को भारत के गांवों से जोड़ने के उन्नत भारत अभियान नामक भारत की राष्ट्रीय पहल का नेतृत्व कर रहे हैं।

5. आपको कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें वर्ष, 2000 में पद्मश्री; वर्ष 1999-2000 का महाराष्ट्र भूषण अॅवॉर्ड; समाज सेवा में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए वर्ष, 2012 का जिंदल पुरस्कार; विश्वशांति केन्द्र द्वारा वर्ष, 2010 में संत ज्ञानेश्वर विश्व शांति पुरस्कार; डाटाक्वेस्ट लाइफ टाइम अॅचीवमेंट अॅवॉर्ड 2003; आदि गोदरेज पुरस्कार 2010; सी-डेक ऑरेशन अॅवॉर्ड 2006; के जी फाउंडेशन्स पर्सनेलिटी ऑव द डेकेड अॅवॉर्ड , 2014; पी जी सी आई एल अॅवॉर्ड 2001; ओम प्रकाश भसीन फाउंडेशन अॅवॉर्ड 2000; ग्लोबल ई-बिज़ अॅवॉर्ड 2001; इंजीनियरिंग और टेक्नॉलाजी में एक्सीलेंस के लिए एफ आई सी सी आई अॅवॉर्ड 1999; लोकमान्य तिलक अॅवॉर्ड 1999; रोटरी एक्सीलेंस अॅवॉर्ड 1997; पुणे का प्राइड अॅवॉर्ड 1996; साइंस और टेक्नॉलॉजी में लाइफ टाइम एचीवमेंट के लिए फिरोदिया अॅवॉर्ड 1996-97; आई आई टी दिल्ली के डिस्टिंग्विश्ड एल्यूमनी अॅवॉर्ड 1994; वासविक अॅवॉर्ड 1993 और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन ऑव द यीयर अॅवॉर्ड 1992 तथा कई अन्य अॅवॉर्ड शामिल हैं। पीटर्सबर्ग अॅवॉर्ड 2004 के लिए भी आपका नामांकन किया गया था।